आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 18.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।
- प्रदेश में चारधाम यात्रा पूरे उत्साह के साथ जारी, रुद्रनाथ मंदिर के कपाट आज ग्रीष्मकाल के लिए खोले गए।
- चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी आगामी एक जून से पर्यटकों के लिए खोल दी जाएगी।
- मौसम विभाग ने हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों में 21 मई तक अत्यधिक गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री समीक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिये हैं। आज नई दिल्ली से मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संचालित होने वाली विभिन्न यात्राओं के कुशल प्रबंधन और संचालन के लिए आवश्यकतानुसार यात्रा प्राधिकरण पर विचार करने को कहा है। श्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड में प्रवेश करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को चार धाम के दर्शन कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रत्येक दिन अधिकारियों के साथ यात्रा की समीक्षा कर व्यवस्थाओं को बेहतर करने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्ग पर बने ठहराव स्थलों पर सभी बुनियादी सुविधाएं और शौचालयों की संख्या बढ़ाने को कहा। साथ ही उन्होंने यात्रा मार्ग पर अत्यधिक भीड़ होने की स्थिति में जाम से बचने के लिए वाहनों की निकासी के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने पर जोर दिया। श्री धामी ने यात्रा मार्ग पर नियमित सफाई अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार, देहरादून, पौडी, टिहरी, रूद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिला प्रशासन से धरातल पर जाकर श्रद्धालुओं से फीडबैक लेने के निर्देश दिये, ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके।

चारधाम श्रद्धालु

प्रदेश में चारधाम यात्रा पूरे उत्साह के साथ जारी है। यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। यात्रा शुरू होने के बाद से अबतक आठ दिनों में रिकॉर्ड संख्या में 2 लाख 15 हजार 930 श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए हैं। श्रद्धालुओं की सुगम, सुव्यवस्थित और सुरक्षित यात्रा के उद्देश्य से राज्य सरकार, जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। केदारनाथ पैदल मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा बल तैनात किये गये हैं, जो किसी भी यात्री के बीमार या घायल होने की स्थिति में सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर तत्काल तीर्थ यात्रियों को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचा रहे हैं, जबकि गंभीर स्थिति के तीर्थ यात्रियों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है।

रुद्रनाथ कपाट

चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित पंच केदारों में से एक चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह ब्रह्म मुहूर्त में ग्रीष्मकाल के लिए खोल दिए गए हैं। इस मौके पर मुख्य पुजारी आचार्य वेद प्रकाश भट्ट ने पौराणिक परंपराओं के अनुसार पूजा–अर्चना कर मंदिर के कपाट खोले। मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में शिव भक्तों ने भगवान रुद्रनाथ के दक्षिणमुखी मुखारबिंद के निर्वाण दर्शन कर पूजा अर्चना की। पंडित हरीश भट्ट ने बताया कि मंदिर को गेंदे के फूलों से सजाया गया था। रुद्रनाथ देश में एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान शिव के दक्षिणमुखी एकानन मुखमंडल के दर्शन होते है। ऐसे में यह स्थान शिव भक्तों के लिये पौराणिक काल से ही आस्था और विश्वास का प्रतीक रहा है। इससे पूर्व भगवान रुद्रनाथ की डोली गोपीनाथ मंदिर से लगभग 25 किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर रुद्रनाथ मंदिर पहुंची थी।

आदि कैलाश यात्रा

कुमाऊं मंडलायुक्त दीपक रावत ने आज चम्पावत जिले के टनकपुर से आदि कैलाश यात्रा के चौथे दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चम्पावत से यह यात्रा पहली बार शुरू हो रही है, इससे चम्पावत के दर्शनीय स्थलों को नई पहचान मिलेगी। यह दल टनकपुर से चंपावत, लोहाघाट और पिथौरागढ़ होते हुए आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करेगा। गौरतलब है कि 10 मई से शुरू हुई आदि कैलाश और ओम पर्वती की यात्रा में 8 दल के लोग शामिल हैं। इनमें से 6 दल काठगोदाम होते हुए, जबकि दो दल टनकपुर होते हुए आदि कैलाश जाएंगे।

फूलों की घाटी

चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी आगामी एक जून से पर्यटकों के लिए खोल दी जाएगी। फूलों की घाटी 30 अक्टूबर तक पर्यटकों के लिए खुली रहेगी। क्षेत्र के उप वन संरक्षक बी.बी मर्तोलिया ने बताया कि फूलों की घाटी के लिए पर्यटकों का पहला दल 01 जून को घांघरिया बेस कैंप से रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रैकिंग के लिए देश के नागरिकों को 200 रुपये और विदेशी नागरिकों के लिए 800 रुपये ईको ट्रैक शुल्क निर्धारित किया गया है। ट्रैक को सुगम और सुविधाजनक बनाया गया है। फूलों की घाटी के लिए बेस कैंप घांघरिया से टूरिस्ट गाइड की सुविधा भी रहेगी। गौरतलब है कि फूलों की घाटी दुर्लभ हिमालयी वनस्पतियों से समृद्ध है और जैव विविधता का अनुपम खजाना है। घाटी में 500 से अधिक प्रजाति के रंग बिरंगी फूल खिलते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए फूलों की घाटी से टिपरा ग्लेशियर, रताबन चोटी, गौरी और नीलगिरी पर्वत के विहंगम नजारे भी देखने को मिलते है।

हिम तेंदुआ

उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के चोरगाड़ में एक हिम तेंदुए की चहलकदमी ट्रैप कैमरे में कैद हुई है। वहीं, केदारताल ट्रैक पर पहली बार सामान्य तेंदुआ और हिम तेंदुआ ट्रैप कैमरे में साथ दिखाई दिए हैं। चोरगाड़ की लकड़ी की पुलिया पर ट्रैप कैमरे में हिम तेंदुए की जो तस्वीर सामने आई है वह गत वर्ष 27 दिसंबर की है। गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान के उपनिदेशक रंगनाथ पांडे ने बताया कि पार्क क्षेत्र में करीब 38 से 40 हिम तेंदुए होने का अनुमान हैं। उन्होंने बताया कि केदारताल क्षेत्र में सामान्य तेंदुए के साथ हिम तेंदुआ भी नजर आया है। उद्यान के अन्य अधिकारियों का कहना है कि पार्क क्षेत्र, हिम तेंदुओं

के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। यह पहली बार है जब पार्क क्षेत्र में इतनी ऊंचाई पर सामान्य तेंदुए के साथ हिम तेंदुआ नजर आया है। शीतकाल के चार महीने– दिसंबर से मार्च तक गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट पर्यटकों के लिए बंद कर दिए जाते हैं, तब पार्क प्रशासन पार्क क्षेत्र में वन्यजीवों की निगरानी में ट्रैप कैमरे लगाता है। पिछले साल करीब 35 ट्रैप कैमरे केदारताल ट्रैक, गंगोत्री ट्रैक, गरतांग गली, हम्क्या नाला, हिंगोली गाड, चोरगाड़, सुनला और थांगला क्षेत्र में लगाए गए थे। इन्हीं में से कुछ कैमरों में शीतकाल के दौरान वन्यजीवों की गतिविधि कैद हुई है।

मौसम

राजधानी देहरादून, हरिद्वार और उधमसिंह नगर जिलों में आज तेज गर्मी महसूस की गयी। इसे लेकर मौसम विभाग ने पहले ही प्रदेश के मैदानी हिस्सों में अत्यधिक गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया था। देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि 20 मई तक देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले के मैदानी क्षेत्रों में दोपहर के समय अत्यधिक गर्मी की संभावना है। उन्होंने लोगों को दोपहर के समय में खुले में बाहर न जाने की सलाह दी है।

विभाग ने राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में अगले पांच दिनों के लिए कहीं–कहीं आकाशीय बिजली चमकने और गरज व आंधी के साथ बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है।

विश्व दूरसंचार

दूरसंचार सचिव, डॉक्टर नीरज मित्तल ने कहा कि सतत विकास के लिये संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं, अर्थव्यवस्थाओं और सामाजिक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होगी। श्री मित्तल ने कल नई दिल्ली में विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस के अवसर पर आयोजित एक बैठक में कहा कि दूरसंचार, सतत विकास का लक्ष्य हासिल करने के लिये महत्वपूर्ण है और देश में एक मजबूत दूरसंचार नेटवर्क प्रणाली मौजूद है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025–26 तक भारत में लगभग 150 करोड़ की डिजिटल अर्थव्यवस्था हो जाएगी, जो सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत होगा। इस चर्चा में 30 से अधिक उद्योगपतियों, विनिर्माताओं और स्टार्ट–अप ने हिस्सा लिया।